जन्मदिन मुबारक

कृष्णा खण्डेलवाल
पत्नी: रामेश्वर प्रसाद
(अंता)

विनोद दीनदयाल
पुत्र : रघुनाथ बैरवा
(सीकर)

जन्मदिन मुबारक

मनोज जैन
पुत्र: राजेंद्र जैन
(नगर फोर्ट, टोंक)

अभिषेक जैन
पुत्र : सुरेश जैन
(जयपुर)

पंजाब केसरी
सदा आपके साथ
जन्मदिन | विवाह | वर्षगांठ

बेटे/बिटिया के जन्मदिन | नव-विवाहित जोड़े की | अपने विवाह की वर्षगांठ की

फोटो हमें भेजें। प्रकाशन निःशुल्क होगा

newsjpr@punjabkesari.net.in

whatsapp
9803164436

नोट: मेल में नाम, माता-पिता का नाम, पता और मोबाइल नम्बर जरूर लिखें।

मृत्यु पंचक में शुभ कार्यों में बरतते हैं विशेष सावधानी

सनातन परंपरा में मृत्यु पंचक शुभ कार्यों के लिए वर्जित

जयपुर, 1 जून (ब्यूरो): वैदिक ज्योतिष के अनुसार 6 जून 2026 से 11 जून 2026 तक मृत्यु पंचक रहेगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार पंचक की शुरुआत शनिवार को होने के कारण इसे मृत्यु पंचक माना गया है। सनातन परंपरा में इस अवधि को संवेदनशील माना जाता है और कई मांगलिक कार्यों से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

धार्मिक नियमों का पालन करने की सलाह : ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब चंद्रमा धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद और रेवती नक्षत्रों में भ्रमण करता है, तब पंचक काल बनता है। पंचांग के अनुसार मृत्यु पंचक 6 जून 2026 को सायं 7:03 बजे प्रारंभ होकर 11 जून 2026 को प्रातः 8:16 बजे समाप्त होगा। विद्वानों का कहना है कि शुभ कार्यों के लिए मुहूर्त, नक्षत्र और पंचांग का विचार सनातन संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा है। इसलिए इस अवधि में सावधानी और धार्मिक नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

मौत होने पर पिंड के साथ करे अंतिम संस्कार

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पंचक के दौरान किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार में आटे या कुश के पांच पुतले बनाकर उनका भी दाह संस्कार किया जाता है, जिससे संभावित संकटों की शांति मानी जाती है। इस अवधि में लकड़ी, ईंधन अथवा घास का भंडारण, नए भवन की छत डालना, चारपाई बनवाना तथा दक्षिण दिशा की यात्रा करना भी वर्जित माना गया है।

बच्चों ने ध्यान व प्राणायाम का किया अभ्यास

जयपुर, 1 जून (ब्यूरो): गायत्री चेतना केंद्र मुरलीपुरा के विकास नगर स्थित राधा कृष्ण शिव मंदिर में आयोजित बाल संस्कारशाला में बच्चों ने खेल-खेल में ध्यान और प्राणायाम का अभ्यास किया। बाल चेतना कार्यक्रम के तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं व्यक्तित्व निर्माण के उद्देश्य से विशेष सत्र आयोजित किया गया। आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक पवन सोमानी ने बच्चों को विभिन्न रोचक गतिविधियों के माध्यम से ध्यान और योग का अभ्यास कराया। मंदिर महंत श्याम सुंदर चतुर्वेदी, गायत्री चेतना केंद्र मुरलीपुरा के मनु महाराज और उमाशंकर खंडेलवाल ने पवन सोमानी का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। शिक्षकों ने बच्चों को एकाग्रता, स्मरण शक्ति और मानसिक क्षमता विकसित करने वाली गतिविधियों से जोड़ा। कार्यक्रम में इंट्यूशन प्रोग्राम की जानकारी भी दी गई, जिससे बच्चों के व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

आक्रोश : अध्यापकों पर टिप्पणी से विवाद

जयपुर, 1 जून (ब्यूरो):अखिल राजस्थान विद्यालय शिक्षक संघ अरस्तु के प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण अग्रवाल ने एक टीवी कार्यक्रम में अंजना ओम कश्यप द्वारा शिक्षकों के लिए कथित रूप से 'दो कौड़ी के शिक्षक' जैसी टिप्पणी को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे शिक्षक जैसे सम्मानजनक पद की गरिमा के विरुद्ध बताते हुए कहा कि यह राष्ट्र के लाखों शिक्षकों का अपमान है और इससे व्यापक आक्रोश उत्पन्न हुआ है।

संगठन का कहना है कि इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी स्वीकार्य नहीं है और संबंधित पत्रकार को शिक्षकों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। शिक्षकों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली भाषा गंभीर विषय है। अरस्तु ने आगे मांग की है कि यदि माफी नहीं मांगी जाती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

'मंत्रविज्ञान, ध्वनि तरंग विश्लेषण एवं यंत्र संरचना' पर राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू

वैदिक ज्ञान, विज्ञान से मानव कल्याण संभव : कुलगुरु

जयपुर: मंत्र प्रतिष्ठान के कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो. मदनमोहन झा व अन्य विश्वविद्यालयों से आए प्रोफेसर।

जयपुर, 1जून (ब्यूरो): राजस्थान मंत्र प्रतिष्ठान के तत्वावधान में 'मंत्रविज्ञान, ध्वनि तरंग विश्लेषण एवं यंत्र संरचना' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कुलगुरु प्रो. मदनमोहन झा की अध्यक्षता में हुआ। आयोजन सचिव व कुलसचिव डॉ. गुंजन सोनी तथा मंत्र प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. कुलदीप पालावत ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

प्रो. मदन मोहन झा ने कहा कि वैदिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का समन्वय मानव कल्याण का प्रभावी मार्ग है। तकनीकी सत्र में प्रो. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्रो. सुन्दरनारायण झा, प्रो. रामराज उपाध्याय तथा प्रो. रामानुज उपाध्याय ने मंत्रों की ध्वनि तरंगों, सटीक उच्चारण और वैज्ञानिक महत्व पर विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि मंत्रों से उत्पन्न ध्वनि तरंगें मस्तिष्क और वातावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

कार्यशाला में देशभर से आए शोधार्थियों, आचार्यों और विद्वानों ने सहभागिता की। अंत में डॉ. गुंजन सोनी ने आभार व्यक्त किया। प्रो. मोहन लाल शर्मा, डॉ. विनोद कुमार शर्मा, डॉ. संदीप जोशी, डॉ. स्नेहलता शर्मा तथा डॉ. हेमंत कृष्ण मिश्र सहित अनेक संस्कृत अनुरागी उपस्थित रहे।

सीताराम 6 कोस परिक्रमा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

समाज श्री सीताराम छोटी चौपड़ ने निकाली यात्रा

जयपुर : सीताराम की छह कोस की परिक्रमा निकालते समाज श्री सीताराम छोटी चौपड़ के पदाधिकारी।

जयपुर, 1 जून (ब्यूरो): पुरुषोत्तम मास के अवसर पर समाज श्री सीताराम छोटी चौपड़ की ओर से सीताराम की छह कोस परिक्रमा श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ निकाली गई। परिक्रमा सुबह 7 बजे मंदिर श्री सीताराम छोटी चौपड़ से प्रारंभ होकर त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, धुलेश्वर महादेव, पंचमुखी हनुमान, गड़गणेश और गलता सहित विभिन्न मंदिरों के दर्शन करते हुए पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई।

संस्था मंत्री रामबाबू झालानी ने बताया कि परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं ने भजन, कीर्तन और ढोलक-मंजीरों के साथ धार्मिक वातावरण बनाया। उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास में यह परंपरा समाज द्वारा हर तीन वर्ष में आयोजित की जाती है, जिससे धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता को बल मिलता है। परिक्रमा के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

जयपुर की प्रिशा का इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

जयपुर, 1 जून (ब्यूरो): जयपुर की दो वर्षीय प्रिशा शर्मा ने अपनी अद्भुत स्मरण शक्ति और आध्यात्मिक रुचि के दम पर 30 से अधिक धार्मिक मंत्र कंठस्थ कर इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया है। मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान प्रिशा ने छह मंत्रों का शुद्ध उच्चारण कर यह उपलब्धि हासिल की। प्रिशा की मां आरवी शर्मा ने बताया कि घर के धार्मिक वातावरण और नियमित पूजा-पाठ से प्रेरित होकर उसने करीब 20 माह की उम्र से मंत्र बोलना शुरू किया था। वर्तमान में उसे 30 से अधिक मंत्र, 80 से ज्यादा बॉडी पार्ट्स के नाम, अल्फाबेट, 1 से 30 तक की गिनती तथा सामान्य ज्ञान की कई जानकारियां याद हैं। परिवार अब एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी आवेदन की तैयारी कर रहा है। प्रिशा की उपलब्धि ने यह साबित किया है कि सही संस्कार, निरंतर अभ्यास और पारिवारिक सहयोग से कम उम्र में भी बच्चे बड़ी सफलता अर्जित कर सकते हैं।

प्रिशा (फाइल फोटो)

क्विक रीड

राष्ट्रीय उपलब्धि पर विजेता टीम से मुलाकात

जयपुर, (ब्यूरो): अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग राजेश यादव एवं निदेशक समग्र शिक्षा ने पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहोली की राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता टीम से सोमवार को सचिवालय में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा तैयार 'राहोली एजुकेशन टाइम्स' का विमोचन भी किया गया। विद्यालय को नई दिल्ली में आयोजित स्कूल चैलेंज टीओएफईआई राष्ट्रीय पुरस्कार में नशा मुक्त विद्यालय एक्शन प्लान, जागरूकता गतिविधियों और नवाचार शिक्षण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। प्रधानाचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका ने विद्यालय की नवाचार गतिविधियों, डिजिटल शिक्षा और सामाजिक जागरूकता प्रयासों की जानकारी दी।

श्रवण कुमार बने अध्यक्ष

जयपुर, (ब्यूरो): प्लास्टिक मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (पीएमएआर) के चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें श्रवण कुमार शर्मा लगातार तीसरी बार और कुल 5वीं बार अध्यक्ष चुने गए। उनके साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर श्रवण कुमार, उपाध्यक्ष पर संजय सक्सेना, महासचिव पर राधेश्याम शर्मा, संयुक्त सचिव पर मुकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद पर संजय शर्मा विजयी रहे। 15 कार्यकारिणी सदस्यों का भी चुनाव हुआ। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रवण शर्मा का कहना है कि उनकी प्राथमिकता प्रदेश में प्लास्टिक इंडस्ट्री से जुड़े उद्योगपतियों समस्याओं को दूर कर सरकार और प्रशासन के साथ मिलकर इस प्रदेश में प्लास्टिक इंडस्ट्री को आगे बढ़ाना और इसमें ज्यादा से ज्यादा रोजगार का सृजन करना है।

बालिकाओं को मिलेगी निः शुल्क आवासीय शिक्षा की सुविधा

कस्तूरबा और सुभाषचंद विद्यालयों में प्रवेश शुरू

जयपुर: कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का स्टाफ शिक्षा सचिव राजेश यादव का स्वागत करते हुए।

जयपुर, 1 जून (ब्यूरो): समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालयों में नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से बालिकाओं का प्रवेश सुनिश्चित करने की अपील की है।

विद्यालयों में निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित छात्रावास, पौष्टिक भोजन, पाठ्यपुस्तकें, गणवेश, अध्ययन सामग्री, स्वास्थ्य जांच, चिकित्सा सुविधा तथा खेलकूद एवं डिजिटल शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। वक्ताओं ने कहा कि ये संस्थान विशेषकर वंचित एवं दूरस्थ क्षेत्रों की बालिकाओं के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी शाला दर्पण पोर्टल एवं संबंधित कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है।

पीएम पोषण पर सख्ती, स्कूलों में पहुंचेंगे अधिकारी

भोजन की गुणवत्ता और पोषण मानकों की होगी नियमित निगरानी

जयपुर, 1 जून(ब्यूरो): मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने पीएम पोषण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को विद्यालयों में नियमित भ्रमण और निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति की बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार से स्वीकृत 953.97 करोड़ रुपए की राशि का अनुमोदन किया गया।

बैठक में वी.श्रीनिवास ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पीएम पोषण योजना के राजसिम्स पोर्टल को अद्यतन करने तथा भोजन की गुणवत्ता की सतत निगरानी के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने बताया कि योजना से बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण स्तर और शैक्षणिक विकास को मजबूती मिल रही है।

जयपुर: सचिवालय में शिक्षा विभाग में संचालित योजनाओं की समीक्षा करते मुख्य सचिव वी श्रीनिवास व अन्य।

बैठक में श्रीकृष्ण भोग योजना और अतिथि माता कॉन्सेप्ट की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्ष 2025-26 में 60 लाख 54 हजार 768 भोजन थालियां परोसी गईं, जबकि 55 लाख 19 हजार 810 अतिथि माताओं ने विद्यालयों का भ्रमण कर भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया। बैठक में आलोक गुप्ता, कृष्ण कुणाल, अम्ब्रीश कुमार, डॉ. भारती दीक्षित, वासुदेव मलावत, विश्व मोहन शर्मा और सीताराम जाट भी मौजूद रहे। योजना की प्रभावी निगरानी से बच्चों के पोषण और शिक्षा दोनों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में लोक एवं समकालीन कला शिविर का शुभारंभ

जयपुर, 1 जून (ब्यूरो): राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर एवं पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय 'लोक एवं समकालीन कला शिविर' का शुभारंभ सोमवार को आरआईसी के निदेशक एनसी गोयल ने किया। इस अवसर पर देश के 14 राज्यों से आए कलाकारों का राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि यह शिविर भारतीय लोक कला और आधुनिक समकालीन कला के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच है। 1 से 5 जून तक चलने वाले इस शिविर में 20 प्रतिष्ठित कलाकार भाग ले रहे हैं, जिनमें लोक एवं पारंपरिक तथा समकालीन कला से जुड़े कलाकार शामिल हैं। पद्मश्री सम्मानित परेश राठवा, दुलारी देवी और शाकिर अली सहित कई प्रसिद्ध कलाकार विशेष आकर्षण हैं। शिविर में दर्शकों को कलाकारों की लाइव कला प्रस्तुति देखने का अवसर मिलेगा।

आम सूचना- सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती सरोज स्वामी पुत्री श्री सुरेन्द्र स्वामी जाति स्वामी निवासी वार्ड नम्बर-6, आडसर, तहसील श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर-331803 (राज.) एक अचल सम्पत्ति फ्लेट नम्बर एफ-1, फर्स्ट फ्लोर, विकास एक्सीलेन्सी-VII, आवासीय फ्लाट नम्बर ए-332, योजना गोविन्दपुरा करधनी, ए-ब्लॉक, कालवाड़ रोड, जयपुर (राज.) जिसका निर्मित क्षेत्रफल 822.13 वर्गफीट अर्थात 76.40 वर्गमीटर है जो कि उक्त प्लाट नम्बर ए-332 कुल क्षेत्रफल 297.59 वर्गमीटर का आवंटन सर्वप्रथम जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री चन्द्रमणी शर्मा को आवंटित किया गया था जिनकी स्वर्गवास दिनांक 06.11.2003 को हो गया तत्पश्चात उनके वारिसान द्वारा उक्त अचल सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-332 कुल क्षेत्रफल 297.59 वर्गमीटर है का विक्रय श्रीमती सन्तोष सोनी पत्नी श्री सियाराम सोनी के हित में कर दिया गया जो कि उक्त विक्रय पत्र कार्यालय उप पंजीयक जयपुर तृतीय के यहां दिनांक 23.04.2005 को क्रम संख्या 2005002618 पर पंजीबद्ध किया गया तत्पश्चात् श्रीमती सन्तोष सोनी पत्नी श्री सियाराम सोनी ने उक्त अचल सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-332 कुल क्षेत्रफल 297.59 वर्गमीटर का जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर से पट्टा विलेख प्राप्त कर कार्यालय उप पंजीयक जयपुर तृतीय के समक्ष प्रस्तुत कर पंजीबद्ध करवा लिया जिसका पंजीयन दिनांक 30.05.2005 को क्रम संख्या 2005002917 पर पंजीबद्ध किया गया तत्पश्चात् श्रीमती सन्तोष सोनी पत्नी श्री सियाराम सोनी ने उक्त अचल सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-332 कुल क्षेत्रफल 297.59 वर्गमीटर का विक्रय मैसर्स विकास एन्टरप्राईजेज जरिए प्रोपराईटर श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री हीरालाल जाट को विक्रय कर दिया उक्त विक्रय पत्र का पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर तृतीय के यहां दिनांक 17.12.2012 को क्रम संख्या 2012053008908 पर पंजीबद्ध किया गया है। तत्पश्चात् मैसर्स विकास एन्टरप्राईजेज ने उक्त अचल सम्पत्ति पर आवासीय फ्लेटस का निर्माण करवा लिया जिसमें से मैसर्स विकास एन्टरप्राईजेज जरिए प्रोपराईटर श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री हीरालाल जाट ने उपरोक्त वर्णित फ्लेट नम्बर एफ-1, फर्स्ट फ्लोर, विकास एक्सीलेन्सी-VII, आवासीय फ्लाट नम्बर ए-332, योजना गोविन्दपुरा करधनी, ए-ब्लॉक, कालवाड रोड, जयपुर (राज.) जिसका निर्मित क्षेत्रफल 822.13 वर्गफीट अर्थात 76.40 वर्गमीटर है का विक्रय कर दिया जिसका पंजीयन दिनांक 18.07.2014 को कार्यालय उप पंजीयक द्वितीय के यहां क्रम संख्या 2014052005666 पर पंजीबद्ध किया गया है तत्पश्चात् श्री नवीन कुमार पारीक पुत्र श्री प्रभुदयाल पारीक का स्वर्गवास दिनांक 05.10.2023 को हो चुका है इसलिए हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत उक्त श्री नवीन कुमार पारीक पुत्र श्री प्रभुदयाल पारीक के प्रथम श्रेणी के वारिसान में उनकी धर्मपत्नी अर्थात श्रीमती पुष्पा पारीक पत्नी स्व. श्री नवीन कुमार पारीक, उनकी पुत्री अर्थात अदिती पारीक पुत्री स्व. श्री नवीन कुमार पारीक एवं स्व. श्री नवीन कुमार पारीक की माताजी अर्थात श्रीमती शान्ति देवी पत्नी स्व. श्री प्रभुदयाल पारीक एकमात्र उत्तराधिकारी एवं वारिस है इनके अतिरिक्त कोई भी अन्य उत्तराधिकारी एवं वारिस नही है इसलिए श्री नवीन कुमार पारीक पुत्र श्री प्रभुदयाल पारीक द्वारा उक्त निर्वसित छोड़ी गई उक्त अचल सम्पत्ति फ्लेट नम्बर एफ-1, जिसका निर्मित क्षेत्रफल 822.13 वर्गफीट है के एकमात्र मालिक स्वामी एवं काबिज अधिकारी हुए तत्पश्चात् अदिती पारीक पुत्री स्व. श्री नवीन कुमार पारीक एवं श्रीमती शान्ति देवी पत्नी स्व. श्री प्रभुदयाल पारीक ने स्व. श्री नवीन कुमार पारीक से प्राप्त स्वयं का 1/3-1/3 हिस्से का हकत्याग श्रीमती पुष्पा पारीक पत्नी स्व. श्री नवीन कुमार पारीक के पक्ष में करते हुए हक त्याग पत्र दिनांकित 23.09.2024 निष्पादित कर दिया तथा उक्त हक त्याग पत्र कार्यालय उप पंजीयक जयपुर सप्तम् के यहां दिनांक 23.09.2024 को क्रम संख्या 202403021121082 पर पंजीबद्ध किया हुआ है इस प्रकार सम्पूर्ण अचल सम्पत्ति की एक मात्र मालिक स्वामी एवं काबिज श्रीमती पुष्पा पारीक पत्नी स्व. श्री नवीन कुमार पारीक हो गई उक्त श्रीमती पुष्पा पारीक पत्नी स्व. श्री नवीन कुमार पारीक, जाति ब्राह्मण, निवासी वार्ड सिटी, तहसील वार्ड, जिला नागौर-341509 (राज.) को अपनी निजी एवं जायज आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु रुपयों की आवश्यकता है इसलिए वह उक्त अचल सम्पत्ति को विक्रय करना चाहती है एवं उनसे मेरी मुवक्किल श्रीमती सरोज स्वामी पुत्री श्री सुरेन्द्र स्वामी उक्त अचल सम्पत्ति खरीद करना चाहती है। उक्त सम्पत्ति फ्लेट नम्बर एफ-1, जिसका निर्मित क्षेत्रफल 822.13 वर्गफीट है को खरीद करने हेतु मेरी मुवक्किल एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहती है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार का कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय समूह सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरुद्ध शून्य व बेअसर मानी जायेगी।

दिनांक:
पुलकित गर्ग, एडवोकेट
MZ-4, अरंकाप्त टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016. मो.9828084002

आम सूचना सूचित किया जाता है कि एक सम्पत्ति प्लाट नम्बर 349, शंकर नगर स्कीम नं. 10, कागड़ीबाड़ा, आमेर रोड, झाझपुरी, जयपुर, राजस्थान, कुल क्षेत्रफल 150.00 वर्गगज है। उक्त सम्पत्ति का पट्टा सर्वप्रथम जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा दिनांक 13/03/2003 को श्रीमती रानी उमरनानी के पक्ष में निष्पादित किया गया। श्रीमती रानी उमरनानी के स्वर्गवास दिनांक 28/11/2020 के पश्चात् उनके विधिक वारिसान् में श्री धर्मेंद्र उमरनानी, श्री प्रकाश उमरनानी (पुत्रान), श्री नारायण दास (पति) को उक्त संपत्ति के अधिकार प्राप्त हुए। तत्पश्चात् श्री धर्मेंद्र उमरनानी द्वारा 1/3 हिस्से का रजिस्टर्ड हकत्याग दिनांक 11/07/2023 को श्री नारायण दास उर्फ नारायण उमरनानी के पक्ष में निष्पादित किया गया। तत्पश्चात श्री नारायण दास उर्फ नारायण उमरनानी एवं प्रकाश उमरनानी द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 14/08/2023 द्वारा श्रीमती असीमा दत्ता के पक्ष में निष्पादित किया गया यह कि मेरी अभिभाष्या उक्त सम्पत्ति को कानूनी संस्था DCB Bank Limited में बन्धक रखकर ऋण प्राप्त कर रही है। उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व एवं ऋण बाबत किसी भी व्यक्ति / संस्था / बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियाद 15 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जायेगी।
पुलकित गर्ग, एडवोकेट
MZ-4, अरंकाप्त टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016. मो.9828084002

आम सूचना सूचित किया जाता है कि एक सम्पत्ति फ्लेट नं. 203 द्वितीय फ्लोर, अबरार मेन्शन, जे. 129, फतेहटीबा, जयपुर, राजस्थान, क्षेत्रफल 770.10 वर्गफीट है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय पत्र श्रीमती लक्ष्मी देवी द्वारा दिनांक 28/12/1966 को श्री मूराजमल, श्री रेलूमल, श्री चेलाराम एवं श्री सम्पदा के पक्ष में निष्पादित किया गया। श्री मूराज मल का स्वर्गवास दिनांक 25/02/1992 के पश्चात् उनके विधिक वारिसान् में उनका हिस्सा श्री दयालदास (पुत्र) को प्राप्त हुआ तत्पश्चात् श्री दयालदास द्वारा उनका हिस्सा जयिये विक्रय पत्र दिनांक 12/01/1998 को श्रीमती रामी देवी के पक्ष में निष्पादित किया गया। श्री रेलूमल द्वारा अपने हिस्से का वसीयतनामा दिनांक 02/05/1995 को श्रीमती रामी देवी एवं श्री मनोहर लाल के पक्ष में निष्पादित किया गया। श्री रेलूमल का स्वर्गवास दिनांक 06/11/1995 के पश्चात् उनके विधिक वारिसान में श्रीमती रामीदेवी एवं श्री मनोहर लाल को प्राप्त हुए। श्री सम्पदा द्वारा अपने हिस्से का विक्रय पत्र दिनांक 26/07/1997 को श्रीमती रामी देवी एवं श्री मनोहर लाल के पक्ष में निष्पादित किया गया एवं श्री चेलाराम द्वारा अपने हिस्से का विक्रय पत्र दिनांक 15/12/1997 को श्री मनोहर लाल के पक्ष में निष्पादित किया गया। तत्पश्चात् श्रीमती रामी देवी एवं श्री मनोहर लाल द्वारा उक्त प्लाट नं. जे-129 का हिस्सा, क्षेत्रफल 125.00 वर्गगज का विक्रय पत्र दिनांक 28/09/2006 को श्रीमती माया देवी उर्फ लिप्सा के पक्ष में निष्पादित किया गया। तत्पश्चात् श्रीमती रामी देवी एवं श्री मनोहर लाल द्वारा उक्त प्लाट नं. जे-129 का हिस्सा, क्षेत्रफल 125.00 वर्ग गज का विक्रय पत्र दिनांक 28/09/2006 को श्रीमती ज्योति देवी उर्फ ज्योति भोटयानी के पक्ष में निष्पादित किया गया। तत्पश्चात श्रीमती बेबा उर्फ कमला देवी, श्रीमती चेता देवी उर्फ उषा देवी, श्रीमती पम्मी देवी उर्फ नीलम, श्रीमती भगवन्ती देवी उर्फ मीनू देवी, श्रीमती हरदेवी उर्फ भागय श्री दरयानी, श्रीमती गीता देवी, श्रीमती जानकी देवी उर्फ विशाखा, श्रीमती माया देवी उर्फ लिप्सा एस कैसवानी, श्रीमती ज्योति देवी उर्फ ज्योति भोटयानी द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग दिनांक 22/11/2012 को श्री मनोहर लाल मोहनानी पुत्र स्वर्गीय श्री रेलूमल के पक्ष में निष्पादित किया गया। तत्पश्चात श्री मनोहर लाल मोहनानी, श्रीमती भानू देवी उर्फ भानू प्रिया, श्रीमती ज्योति देवी उर्फ ज्योतिभोटयानी, श्रीमती माया देवी उर्फ लिप्सा द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 10/03/2016 का श्री मोहसीन अडमद के पक्ष में निष्पादित किया गया। यह कि मेरा अभिभाष्य उक्त सम्पत्ति के ऋण हेतु ऋण दाता संस्था (IDFC FIRST Bank Limited) में बन्धक रखकर ऋण प्राप्त कर रहा है। उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व एवं ऋण बाबत किसी भी व्यक्ति / संस्था / बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियाद 7 दिवस मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार अन्यमानी जावेगी। पुलकित गर्ग, एडवोकेट
MZ-4, लंकारंटवर, कबीरमार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016. मो. 9828084002

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती सरोज स्वामी पुत्री श्री सुरेन्द्र स्वामी जाति स्वामी निवासी वार्ड नम्बर-6, आडसर, तहसील श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर-331803 (राज.) एक अचल सम्पत्ति फ्लेट नम्बर एफ-1, फर्स्ट फ्लोर, विकास एक्सीलेन्सी-VII, आवासीय फ्लाट नम्बर ए-332, योजना गोविन्दपुरा करधनी, ए-ब्लॉक, कालवाड रोड, जयपुर (राज.) जिसका निर्मित क्षेत्रफल 822.13 वर्गफीट अर्थात 76.40 वर्गमीटर है जो कि उक्त प्लाट नम्बर ए-332 कुल क्षेत्रफल 297.59 वर्गमीटर का आवंटन सर्वप्रथम जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री चन्द्रमणी शर्मा को आवंटित किया गया था जिनकी स्वर्गवास दिनांक 06.11.2003 को हो गया तत्पश्चात उनके वारिसान द्वारा उक्त अचल सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-332 कुल क्षेत्रफल 297.59 वर्गमीटर है का विक्रय श्रीमती सन्तोष सोनी पत्नी श्री सियाराम सोनी के हित में कर दिया गया जो कि उक्त विक्रय पत्र कार्यालय उप पंजीयक जयपुर तृतीय के यहां दिनांक 23.04.2005 को क्रम संख्या 2005002618 पर पंजीबद्ध किया गया तत्पश्चात् श्रीमती सन्तोष सोनी पत्नी श्री सियाराम सोनी ने उक्त अचल सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-332 कुल क्षेत्रफल 297.59 वर्गमीटर का जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर से पट्टा विलेख प्राप्त कर कार्यालय उप पंजीयक जयपुर तृतीय के समक्ष प्रस्तुत कर पंजीबद्ध करवा लिया जिसका पंजीयन दिनांक 30.05.2005 को क्रम संख्या 2005002917 पर पंजीबद्ध किया गया तत्पश्चात् श्रीमती सन्तोष सोनी पत्नी श्री सियाराम सोनी ने उक्त अचल सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-332 कुल क्षेत्रफल 297.59 वर्गमीटर का विक्रय मैसर्स विकास एन्टरप्राईजेज जरिए प्रोपराईटर श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री हीरालाल जाट को विक्रय कर दिया उक्त विक्रय पत्र का पं